अनुसंधानोपाधि-समिति

आयुर्वेद विभाग

दि॰ 10·3·2025

आज दिनांक 10·3·2025 को मध्याह्न 3:00 बजे आयुर्वेद विभागीय अनुसंधानोपाधि समिति की बैठक मा॰ कुलपति महोदय की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें अधोलिखित विद्वानगण उपस्थित हुए:-

1. मा॰ कुलपति महोदय — अध्यक्ष [signature] 10·03·25
   सं॰सं॰वि॰वि॰ वाराणसी

2. संकायाध्यक्ष — सदस्य [signature] 10·3·25
   प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक
   राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय

3. विभागाध्यक्ष — संयोजक [signature] 10/03/2025
   सम्बद्ध विभाग, राजकीय आयुर्वेद महावि॰
   एवं चिकि॰, वाराणसी

4. प्रो॰ के॰के॰ पाण्डेय, विभागाध्यक्ष — सदस्य
   संज्ञाहरण विभाग, आयुर्वेद संकाय
   काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

5. प्रो॰ साधु प्रसाद पाल, रचना शारीर विभाग — सदस्य [signature] 10-3-25
   लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आयुर्वेद महावि॰
   एवं चिकि॰ हण्डिया, प्रयागराज

कार्यवाही विवरण एवं निर्णय

सर्वसम्मति से अधोलिखित विवरण के अनुसार सहमति प्रदान की गई :—

क्र॰सं॰	नाम गवेषक	निर्देशक नाम
01.	श्री अमरनाथ	प्रो॰ नीलम गुप्ता

शोध शीर्षक " दैहिकप्रकृत्यां सन्तत्यां च रक्तवर्गस्य अध्ययनम् "

[signature] 10/3/25 [signature] 10·3·25 [signature] 10·3·25 [signature] 10·03·25

अनुसंधानोपाधि-समिति

आयुर्वेद विभाग   दि० 17.5.25

आज दिनांक 17.5.2025 को अपराह्न 03:00 बजे आयुर्वेद विभागीय अनुसंधानोपाधि समिति की बैठक मा० कुलपति महोदय की अध्यक्षता में कुलपति कार्यालय में सम्पन्न हुई जिसमें अधोलिखित विद्वानगण उपस्थित हुए:-

1. मा० कुलपति जी — अध्यक्ष (हस्ताक्षर) 17.05.25
सं०सं०वि०वि० वाराणसी

2. संकायाध्यक्ष — सदस्य (हस्ताक्षर) 17.5.25
प्रधानाचार्य एवं अधीक्षक,
राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय,
वाराणसी

3. विभागाध्यक्ष सम्बद्ध विभाग — संयोजक (हस्ताक्षर) 17.05.2025
राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय एवं चिकित्सालय
वाराणसी

4. प्रो० के० के० पाण्डेय, विभागाध्यक्ष — सदस्य (हस्ताक्षर) 17/5/2025
संज्ञाहरण विभाग, आयुर्वेद संकाय
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

5. प्रो० साधू प्रसाद पाल, रचना शारीर विभाग — सदस्य (हस्ताक्षर) 17.5.25
लाल बहादुर शास्त्री राजकीय आयुर्वेद महाविद्यालय
एवं चिकित्सालय हंडिया, प्रयागराज

कार्यवाही विवरण एवं संस्तुति

अनुसंधानोपाधि समिति की बैठक में डा० प्रकाश राज सिंह के आवेदन पर विचार करते हुए समिति ने अध्यादेश के अनुसार पुनः पञ्जीकरण कराने एवं प्रो० नीलम गुप्ता को निर्देशक नामित करने पर अपनी सहर्ष संस्तुति प्रदान की। पुनः पञ्जीकरण की तिथि से तीन माह के भीतर गवेषक द्वारा शोध प्रबंध प्रस्तुत किया जाना अनिवार्य होगा, तत्पश्चात् पुनः पञ्जीकरण की कोई अर्हता नहीं होगी।

(हस्ताक्षर) 17/5/25 (हस्ताक्षर) 17/5/25 (हस्ताक्षर) 17.5.25 (हस्ताक्षर) 17/05/2025 (हस्ताक्षर) 17.05.25